>

Title: Need to take measures to make river Yamuna pollution-free and formulate a scheme to provide drinking water to people living in Delhi.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): राजधानी दिल्ली मे यमुना नदी में प्रदूषण की स्थिति अत्यंत बदतर है जिसकी वजह से अनेकों बार बजीराबाद और चंद्रावल बॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद करना पड़ता है और परिणामस्वरूप दिल्ली को पानी का संकट झेलना पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है कि चूंकि दिल्ली के पड़ोसी राज्य के पानीपत में स्थित फैक्ट्रियों का केमिकल वेस्ट यमुना में मिलता है। यह वेस्ट ड्रेन-2 में आता है तथा यह ड्रेन सीधे यमुना में गिरता है। ड्रेन-6 घरेलू कचरा लेकर आता है और यह नजफगढ़ ड्रेन में जाकर मिलता है। इस प्रकार केमिकल कचरे यमुना में अमोनिया और क्लोराइड की मात्रा को बढ़ाते है, जिसके परिणामस्वरूप पानी के ट्रीटमेंट में अधिक समय लगता है। यदि तय सीमा से अधिक अमोनिया की मात्रा बढ़ जाए तो उसे ट्रीट नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसके लिए इतने अधिक क्लोरीन की आवश्यकता होती है जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक खतरनाक है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह राजधानी दिल्ली से गुजरने वाली यमुना को प्रदूषण रहित बनाए जाने और दिल्ली निवासियों की पानी की समस्या के निदान हेतु एक कारगर योजना बनाकर उसे शीघ्र क्रियान्वित किए जाने हेतु आवश्यक पहल करें।